	मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति	
	वार्षिक प्रगति रिपोर्ट	
	1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019	

गठन व पृष्ठभूमि

मंडी जिला में साक्षरता अभियान की शुरुआत के लिए प्रयास हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए अभियान से पहले हो चुके थे। बहुचर्चित भोपाल गैस कांड ने जब सारे देश को हिला कर रख दिया था, तब राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों, बुद्धिजीवियों, लेखकों व कलाकारों को मंच पर इकट्ठा करने की जरूरत महसूस हुई। वर्ष 1987 में 26 संगठनों ने अपने आपको अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के रूप में संगठित किया ताकि लोगों को वैज्ञानिक तौर तरीकों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति बेहतर समझ विकसित की जा सके तथा समाज के विकास में उनके योगदान के प्रति अवगत करवाया जा सके। समाज में इस सोच को विकसित करने के लिए वातावरण निर्माण की जरूरत थी जो कला जत्थे कार्यक्रम ने पूरी की। पूरे देश में पांच क्षेत्रीय कला जत्थों को प्रशिक्षित किया गया तथा उनके द्वारा 25 हजार कि.मी. की दूरी तय कर 500 से ज्यादा स्थानों पर कार्यक्रम दिखाये गये। यह कार्यक्रम यूं तो प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी दिखाए गए। परंतु मंडी के लिए ये कार्यक्रम खास इसलिए थे क्योंकि मंडी के एक साथी कुलदीप गुलेरिया इसमें शामिल थे। जिला में कुछ जागरूक नवयुवकों में कुछ कर गुजरने का जुनून सा सवार हो गया। उनमें नव चेतना का संचार हुआ। ऐसा महसूस किया गया कि इन कलाजत्थों का प्रभाव शहर तक ही सीमित रहा क्योंकि ये कार्यक्रम शहरों तक सीमित रहे जबकि गांवों में इन कार्यक्रमों की अधिक जरूरत थीं तब यह सोच राज्य स्तर पर उभर कर आई कि वैज्ञानिक चेतना को गांवों तक ले जाने से पहले साक्षरता अभियान की जरूरत है। यही एक ऐसा माध्यम होगा जिसके जरिये देश के पिछड़े, दबे कुचले व शोषित आदमी तक पहुंचा जा सकता है। इस अभियान की लोकप्रियता के लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को केरल के अर्नाकुलम जिले में चले साक्षरता अभियान आदर्श मॉडल के रूप में मिला। इसके लिए भी जन विज्ञान जत्था चलाने की जरूरत थी ताकि वातावरण निर्माण किया जा सके। राष्ट्रीय स्तर पर डा. मालकोम आदिशेषैयया की अध्यक्षता में भारत ज्ञान विज्ञान समिति का गठन किया गया। डा. एम.पी. परमेश्वरन इसके सचिव बनाए गए।

वर्ष 1990 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष के रूप में मनाया गया। भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से आत्म निर्भरता व राष्ट्रीय एकता के लिए विज्ञान और साक्षरता का नारा देकर देश के लगभग 6 लाख गांवों में साठ हजार केन्द्रों में भारत ज्ञान विज्ञान जत्थे आयोजित करने का आहवान किया। मंडी जिला भी

इससे अछूता नहीं रहा। साक्षरता दूत के रूप में राजेन्द्र मोहन और भूपेन्द्र सिंह ने कला जत्थे की अगुवायी की। 25 जून,1990 को जिला स्तरीय सम्मेलन में ही एक कला जत्थे का गठन हुआ जो थोड़े से प्रशिक्षण के बाद गांव गांव में साक्षरता की मशाल जलाने चल पड़ा। उसी जत्थे ने लोगों में साक्षरता के विषय को चर्चा का मुद्दा बनाया। जत्थे द्वारा तैयार नाटक कथा रामदीन के मुख्य पात्र रामदीन में गांव वालों को अपना अक्स नजर आया। तत्तकालीन उपायुक्त डा. अशोक रंजन बसु की अध्यक्षता में भारत ज्ञान विज्ञान समिति की मंडी इकाई का गठन किया गया। मंडी में यहीं से साक्षरता अभियान का सूत्रपात हुआ।

<u>साक्षरता की लौ का प्रज्ज्वलन</u>

मंडी जिले में साक्षरता अभियान के लिए जमीन पहले से तैयार हो चुकी थी। भारत ज्ञान विज्ञान समिति की मंडी इकाई पहले से मौजूद थी। परंतु हिन्दी के वरिष्ठ लेखक व सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. सुंदर लोहिया ने इस अभियान में जुड़ने की सहमति मिलने से साक्षरता के कार्य व जागरूक नवयुवकों को अधिक बल मिला। प्रो. लोहिया हालांकि सेवानिवृति के पश्चात पत्र पत्रिकाओं के प्रकाशन से अपने को जोड़ कर लोगों में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करने का मन बना रहे थे परंतु जिले के जनूनी नौजवानों का साक्षरता के प्रति रुझान व उनकी साक्षरता अभियान से जुड़ने की अपील को भी वे ठुकरा न सके। बहस दर बहस के बाद उनकी सहमति मिल पाई। प्रो. लोहिया की सहमति मिलते ही जिले में साक्षरता अभियान चलाने के लिसे विचार विमर्श शुरु हो गया।

यह वह समय था जब साक्षरता कर्मियों के पास न तो अपना दफतर था न ही बैठने की कोई ऐसी जगह, जहां पर बैठकर इस अभियान की कार्य योजना बनाई जा सके। ऐसी विकट परिस्थिति में साहित्यकारों की मिलन स्थली की दुकान “अलंकार” काम आयी। जहां बैठकर इस विषय पर बातचीत की जाती थी। दूसरी तरफ साक्षरता अभियान की मूल भावना को जिला प्रशासन को समझने में काफी मेहनत करनी पड़ी। क्योंकि तत्कालीन उपायुक्त श्री अजय मितल इस बात से सहमत नहीं थे कि एक साथ पूरे जिले में साक्षरता अभियान चल सकता है। उनका तर्क था कि पहले एक पंचायत को साक्षर करके दिखाओं, तब मेरे पास आना। जबकि अभियान की प्रकृति के अनुसार जिला स्तर पर साक्षरता का काम शुरु होना था साथ ही उपायुक्त का इस समिति का अध्यक्ष बनना भी जरुरी था।

<u>मंडी साक्षरता समिति का गठन</u>

हालांकि तत्कालीन भाजपा सरकार ने पूरे प्रदेश के लिए संपूर्ण साक्षरता अभियान की परियोजना राष्ट्रीय साक्षरता मिशन द्वारा स्वीकृत करवा ली थी। प्रदेश में इसकी शुरुआत 14 जून,1992 को हिमाचल विश्व विद्यालय के सभागार में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेकटरमन द्वारा साक्षरता ज्योति प्रज्जवलित की गई। परंतु जिला मंडी में 5फरवरी,1992 को विधिवत ढंग से मंडी साक्षरता समिति का गठन सोसायटी एक्ट 1860 के तहत कर दिया गया था। तत्कालीन अतिरिक्त उपायुक्त श्री जी.एस.राठौर समिति के अध्यक्ष

बने और प्रो. सुंदर लोहिया सचिव बनाए गए। फरवरी माह में ही मंडी जिला के लिए अलग से साक्षरता परियोजना तैयार की गई। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद जन सहयोग व इधर उधर से पैसा इकठठा करके निरक्षरता के खिलाफ पढ़े–लिखे लोगों को एकजुट करने का प्रयास शुरू हो चुका था।

2 से 8 मार्च,1992 में शिवरात्रि मेले के दौरान साक्षरता के प्रचार व इसके लिए माहौल बनाने तथा जन भागीदारी के लिए साक्षरता प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में आए जिला के दूर दराज के गांव के लोगों ने अपनी भागीदारी निभाने का वायदा भी किया। लोगों के उत्साह को देखकर मंडी साक्षरता समिति द्वारा पहले चरण में सदर, सुंदरनगर तथा रिवालसर में अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। दूसरे चरण में बाकि के सात खडों में अभियान चलाया गया। चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाने का उद्देश्य यह था कि प्रथम चरण के अनुभवों का दूसरे चरण में लाभ उठाया जा सके तथा जो खामियां रहेगी उन्हें दोहराया न जा सके। समिति के गठन के चार माह बाद जब पूरे राज्य में साक्षरता ज्योति को रवाना किया गया तब जून माह में ज्योति के मंडी पहुंचने पर विशाल जलूस निकाला गया।

साक्षरता अभियान के दौरान जुड़ा स्वयंसेवीयों के काफिले को जन जुड़ाव व विभिन्न स्तरों पर समिति के साथ जुड़ चुके जन समुदाय को मॅंच की आवश्यकता थी। साक्षरता अभियान पूर्ण हो चुका था। अतः समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि साक्षरता अभियान की परिभाषा के दुसरे बिन्दू जिसमें ‘‘अपनी बदहाली के कारणों को समझना व इनसे मुक्ति की दिशा में संगठित होकर प्रयास करना’’ इस बिन्दु की समझ के अनुसार **18 दिसम्बर,2003** में समिति का नाम बदलकर मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति रखा गया ताकि शिक्षा के साथ विकास के मुद्दे जुड़ सके। कपार्ट द्वारा प्रायोजित परियोजना जल स्त्रोतों का संरक्षण एवम् रखरखाव का कार्य किया। 1999 में समिति के साथ ज्यादातर महिलाओं का जुड़ाव हुआ था। इस जन जुड़ाव को गॉंव स्तर पर ईकाई में बदलना था। अतः पिछ्ले कार्य के अनुभव के आधार पर मण्डी में स्वयं सहायता समूह बनाने का निर्णय लिया गया। 2002 में राष्ट्रीय कृषि एवम् ग्रामीण विकास बैंक के साथ जुड़कर विभिन्न परियोजनाओं में कार्य किया जा रहा है जिसमें स्वयं सहायता समूह ,किसान क्लब, संयुक्त देयता समूह, गॉंव विकास कार्यक्रम, वित्तीय साक्षरता अभियान, लोहागिरी कलस्टर विकास, थाची, मुख्य है। 2009 में सूक्ष्म बीमा कार्य जीवन निगम के साथ शुरू किया है। इसके अलावा सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान,मनरेगा आई.ई.सी में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। समिति ने इन कार्यक्रमों को आम जनता ,प्रशासन,जन प्रतिनिधियों व स्वये सेवी कार्यकर्ताओं के सहयोग व मेहनत से देश में अग्रणी रूप से चलाया है। पिछले 3 वर्षो में समिति को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में सर्वश्रेष्ठ कार्यो हेतु समानित भी किया गया है। जिसमें इन वर्षो में स्त्रोत प्रशिक्षण केन्द्र बैठक कक्ष,प्रशिक्षण हॉल को भी जोड़ा गया। समिति ने जन सहयोग व प्रशासन के सहयोग से अपना भवन बनाया है।

मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति का चरित्र देशभर में शुरुआत से ही अलग रहा है,जिसमें स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न, राजनैतिक विचारधारा से सहमति रखने वाले कार्यकर्ताओं से एक साथ मिलकर कार्य किया तथा व्यापक चरित्र से इस जन आन्दोलन को आगे बढ़ाया है। समिति ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया व कर रही है।

मंडी साक्षरता समिति ने सम्पूर्ण साक्षरता अभियान, उत्तर साक्षरता अभियान, सतत् शिक्षा, संपूर्ण स्वच्छता अभियान, व उसके साथ विभिन्न अभियान चलाये गये। समिति द्वारा विभिन्न विभागों/संस्थाओं के साथ मिलकर निम्नलिखित अभियान व कार्यक्रम किये गये।

- नाबार्ड द्वारा स्वयं सहायता समूहों का गठन –5000 समूह
- संयुक्त देयता समूहों का गठन–700
- कौशल विकास के प्रशिक्षण
- लोहागिरी कलस्टर थाची व लोट
- गॉंव विकास कार्यक्रम
- किसान क्लब कार्यक्रम
- ईशक्ति कार्यक्रम–4200 स्वयं सहायता समूह
- एल.ई.डी.पी डरवाड़ धर्मपुर
- एफ.पी.ओ मॉंहुनाग करसोग
- वित्तीय साक्षरता कलाजत्था
- जल संरक्षण अभियान

जिला प्रशासन व अन्य विभागों के साथ

- कृषि में विविधकरण
- सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान।
- स्वच्छ भारत मिशन।
- मनरेगा आई.ई.सी
- आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण।
- सर्व के प्रशिक्षण।
- मंडी विकास अभियान
- महिला मण्डल प्रोत्साहन
- स्त्री अभियान

स्त्री अभियान

इस अभियान का शुभारंभ 18 नवम्बर,2018 को डा. साधना ठाकुर राज्य अध्यक्षा रैडक्रॉस सोसायटी (हि.प्र.) द्वारा पड्डल मंडी में किया गया। यह अभियान जिला प्रशासन मंडी द्वारा चलाया जा रहा हैं जिसमें आठ घटकों पर पंचायत स्तर पर महिला मंडलों के माध्यम से गतिविधियों का साप्ताहिक आधार पर आयोजन किये गये। इस अभियान को सुचारू रूप से चलाने हेतु दिनांक 29नवंबर,2018 को विपाशा सदन भ्यूली मंडी में महिला मंडलों के प्रधानों/ सचिवों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशार्वकर व समिति के विकास दूतों की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 500 के करीब महिला मंडलों के 1350 के करीब प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त मंडी श्री ऋग्वेद ठाकुर द्वारा की गई इसमें विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने अपने विभागों से संबंधित कार्यक्रमों बारे प्रस्तुति पावर प्वाईट प्रेजेटेंशन द्वारा भी दी गई। इस अवसर पर अभियान की परिकल्पना, लक्ष्य एवम् उद्देश्य बारे अतिरिक्त उपायुक्त महोदय श्री राघव शर्मा द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। जिला परियोजना अधिकारी बाल विकास एवम् सामाजिक कल्याण विभाग श्री सुरेंद्र तेगटा द्वारा मेरी लाडली पर विस्तृत जानकारी दी गई। उपायुक्त एवम् अध्यक्ष महोदय द्वारा स्त्री अभियान में विभिन्न विभागों व स्वयं सेवी संस्थाओं की भूमिका व अभियान के विशेष घटकों बारे जानकारी प्रदान की गई।

अभियान की अवधि

1दिसंबर,2018 से 28 फरवरी,2019 तक रहेगी। इस अभियान में 900 के करीब महिला मंडल स्वैच्छा से जुड़ चुके हैं जिनमें से 800के करीब महिला मंडलों के द्वारा की गई गतिविधियों की रिर्पोट प्राप्त हुई हैं। इस कार्य में जिला प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को भी शामिल किया गया हैं।

पंचायत स्तर पर इस कार्य के समायोजन, प्रशिक्षण व रिर्पोट हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारी दी गई थी परंतु अधिकतर खंडों में यह प्रक्रिया सुचारू रूप से नहीं चली और समिति के खंड समन्वयकों द्वारा महिला मंडलों से रिर्पोट एकत्रित की गई।

स्त्री अभियान के तहत माह दिसंबर 2018 से 28 फरवरी,2019 तक किये गये कार्यो की रिर्पोट एक नजर में:–

स्त्री अभियान के तहत 500 के करीब महिला मंडलों से ही गतिविधियों की रिर्पोट प्राप्त हुई हैं जिसकी समायोजित रिर्पोट इस प्रकार से है:–

1.सामाजिक सुरक्षा

स्त्री अभियान के 8घटकों में अति महत्वपूर्ण घटक सामाजिक सुरक्षा बारे जिम्मेवारी जिला स्तर पर मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति मंडी को दी गई हैं इसमें बैकंर्ज का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा हैं। इस अभियान के तहत मंडी जिला में 10हजार लोगों को सुक्ष्म बीमा से जोड़ा गया जो कि अब तक सर्वाधिक संख्या हैं। इस कार्य में जिला मंडी पूरे भारत वर्ष में सर्वाधिक लोगों को सुक्ष्म बीमा से जोड़ने वाला जिला बन चुका हैं। इस कार्य के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा 23 जनवरी, 2019 को विपाशा सदन भ्यूली मंडी में उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं / अधिकारियों/ कर्मचारियों/पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानित करने हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा हैं । इस समारोह में कार्यकारी निदेशक,मुबंई ,क्षेत्रिय प्रबंधक दिल्ली, वरिष्ठ मंडल प्रबंधक शिमला तथा अन्य उच्च अधिकारी भी भाग ले रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बैंकर्ज के सहयोग से 25570 फार्म प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना व प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के फार्म समिति कार्यकर्ताओं के माध्यम से महिला मंडलों को वितरित किये गये जिसमें से माह दिसंबर 18 से 21 जनवरी, 2019 तक कुल 15000 फार्म भरे गये और 13500 फार्म बैंकों में जमा करवाये गये। इस घटक के तहत उपायुक्त महोदय के निर्देशानुसार गरीब से गरीब परिवार को भी कम से कम 5 लाख की बीमा कवरेज प्रदान करने की परिकल्पना को साकार करने का बीड़ा उठाया गया हैं।

क्र	योजना	संख्या
1	प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना	25570
2	प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना	2164
3	अटल पैंशन योजना	78
4	जनधन	6447
5	सुक्ष्म बीमा	30061
	कुल	64320

2.मेरी लाडली (बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओं अभियान)

स्त्री अभियान के तहत इस घटक पर भी बहुत अच्छा कार्य हुआ हैं। इसके तहत उपायुक्त व अतिरिक्त उपायुक्त महोदय द्वारा जिला के दूरदराज के क्षेत्रों में जाकर लोगों के घरों में व पंचायत स्तर पर समारोह में बधाई देने से बेटियों के प्रति समाज के नजरिये में बदलाव हेतु महत्वपूर्ण पहल हैं। कुछ स्थानों पर बेटियों को उपायुक्त/ अतिरिक्त उपायुक्त/ उपमंडलाधिकारी/ खंड विकास अधिकारी/ पंचायत प्रतिनिधियों / महिला मंडलों के द्वारा बधाई व उपहार प्रदान किये गये। इस घटक के तहत जिला प्रशासन द्वारा उन दंपतियों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने किसी दूसरे की बेटी को गोद लिया हैं। अतिरिक्त उपायुक्त महोदय द्वारा द्रंग खंड के कुफरी में 2 बेटियों के अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। अब तक कुल 5 बेटियों को गोद लेने वाले परिवारों/ दंपतियों को सम्मानित किया जा चुका हैं।

3.(आपदा प्रबंधन) समर्थ–मंडी

इस घटक के तहत जिला मंडी में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डीडीएमएम मंडी द्वारा संचालित कार्यक्रम के तहत समिति के सहयोग से जिला की 469पंचायतों में 82 सर्व वांलटियरों को प्रशिक्षित किया गया और उनके माध्यम से अब तक जिला मंडी की कुल 335 पंचायतों में आपदा प्रबंधन बारे जागरूता शिविरों, मॉकड्रील का आयोजन किया गया और 8500 लोगों को प्रशिक्षत किया गया। इस कार्यक्रम के तहत जिला से समस्त खंडों में पंचायत सचिवों को आपदा प्रबंधन संबंधी वर्ष 2018–19 की कार्ययोजना, प्लान व आपदा प्रबंधन कमेटियों के पुनर्गठन बारे विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें जिला स्रौत व्यक्तियों द्वारा सभी खंडों में उक्त प्रशिक्षण किया गया तथा प्रत्येक पंचायत के लिए दो–दो आपदा प्रबंधन वर्ग भी उपलब्ध करवाये गये। अब तक इस अभियान के तहत 469 पंचायतों में कुल पंचायत कमेटियों व 8500 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जा चुका हैं। अधिकतर पंचायतों में यह कार्य संतोषजनक रहा हैं परन्तु कुछ पंचायतों में पंचायत प्रतिनिधियों व विभागीय अधिकारियों की उदासीनता पाई गई जिस कारण कुछ पंचायतों में उक्त कार्यशालाएं फिर से करवाई गई।

4.स्वच्छता ही सेवा

स्त्री अभियान के तहत पूर्व की भांति इस में सर्वाधिक गतिविधियां महिला मंडल के माध्यम से की जा रही हैं। इस अभियान के तहत महिला मंडलों द्वारा घरों में दो–दो डस्टबिन, गंदे पानी की निकासी के लिये सोख्ता गड्ढ़ों का निर्माण, स्कूल व आंगनबाड़ी में पानी की टंकियों की सफाई तथा जल स्रौतों बावड़ी, खातड़ियों की सफाई की गई। 1450 स्कूलों में पानी की टंकियों की सफाई व आसपास की सफाई की गई। 320 सार्वजनिक स्थानों में महिला मंडलों द्वारा सफाई की गई।

5.समग्र शिक्षा

समग्र शिक्षा के तहत महिला मंडलों के माध्यम से जिला के 1830 स्कूलों में शिक्षा संवाद का आयोजन किया गया। सर्दियों की छुट्टिया वाले स्कूलों में उक्त गतिविधि फरवरी,2019 के बाद की गई। महिला मंडलों के सहयोग से शतप्रतिशत बच्चों का स्कूल में दाखिला व बाहरवीं से पहले स्कूल छोड़ने वाली बेटियों को फिर से स्कूलों में दाखिल करवाने का प्रयास किया गया।

6.क्योंकि जिंदगी है आपकी

क्योंकि जिदंगी है आपकी के तहत जिला में पुलिस विभाग के माध्यम से उक्त गतिविधि का आयोजन किया जा रहा हैं परन्तु इसमें पुलिस विभाग द्वारा मंहिला मंडल की भागीदारी से जागरूकता शिविरों का आयोजन निर्धारित कार्ययोजना के आधार पर नहीं किया गया , जिस कारण इस घटक में कोई ज्यादा कार्य नहीं हो पाया परन्तु पंचायत स्तर पर महिला मंडल व पंचायत प्रतिनिधियों / आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा इस बारे कुछ प्रयास अवश्य किये गये हैं।

7.डिजिटली साक्षर मंडी

इस घटक के तहत जिला के 75 स्थानों में डिजिटली साक्षरता शिविरों का आयोजन जिला केन्द्र के सौजन्य से किया गया तथा स्थानीय स्तर पर लोकमित्र केन्द्रों के माध्यम से ही इसमें महिला मंडलों द्वारा पात्र लोगों को डिजिटली साक्षर बनाने का प्रयास किया गया हैं परन्तु इस कार्यक्रम के प्रति निचले स्तर पर पर्याप्त जानकारी न होने के कारण दिसंबर माह में कोई विशेष कार्य नहीं हो पाया। जिला के कई क्षेत्रों में इस कार्य हेतु लोकमित्र केन्द्रों व अन्य शिविरों के आयोजन बारे जिला प्रशासन विशेष तौर पर उपायुक्त महोदय व अतिरिक्त उपायुक्त महोदय के हस्तक्षेप व मार्गदर्शन के बाद कार्य शुरू हो पाया हैं।

8.समावेशी विकास

इस घटक के तहत महिला मंडलों के माध्यम से गांव स्तर पर प्रचार प्रचार किया गया हैं कुछ स्थानों में पात्र लोगों को वृद्धावस्था / विधवा/ अपंगता/ पैंशन बारे चिहिन्त किया गया हैं तथा पंचायत के माध्यम से फार्म भरवाने की छुटपुट कोशिश की गई हैं परन्तु इस कार्य को और अधिक सक्रियता से करने की जरूरत हैं।

समिति द्वारा की गई गतिविधियों का विवरण

- मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितंबर,2018 के उपलक्ष्य पर विपाशा सदन भ्यूली में कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि उपायुक्त एवम् सरंक्षक ऋग्वेद ठाकुर ने कहा कि समिति ने साक्षरता अभियान, स्वच्छता,आपदा प्रंबंधन,मेरी लाडली, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में सराहनीय भूमिका निभाई हैं। स्वच्छता अभियान के तहत व्यक्तिगत शौचालय का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका हैं जबकि स्वच्छता के अन्य बिदुओं पर अभी निरंतर कार्य करने की आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा कि समिति का विस्तार ग्रामीण स्तर तक है इसलिए समिति हर कार्यक्रम बेहतर तरीके से निभा रही हैं। समिति को भविष्य में सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता हैं। इस अवसर पर समिति के 170 सहायक अभिकर्ता को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया हैं। सम्मान समारोह में भारतीय जीवन बिमा निगम के क्षेत्रिय प्रबंधक सतपाल भानू के अलावा अन्य अधिकारी तथा मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के कार्यकारिणी, साधारण सभा सदस्यों व खंड समन्वयकों ने भाग लिया।

- **बीमा गांव संबंधी**:- 87 बीमा गांव समिति द्वारा बनाये गये थे जिसमें से 72 गांव भारतीय जीवन बीमा द्वारा राशि स्वीकृत कर दी हैं। 22 लाख राशि इसी माह भारतीय जीवन बीमा निगम ने बीमा गांवों के लिए स्वीकृत की हैं।

- **MEDP** परियोजना प्रस्ताव बैग बनाने हेतु बल्ह, धर्मपुर, करसोग, सराज तथा चौतड़ा में खिलौने व फलावर मैकिंग संबंधी तथा द्रंग,बालीचौकी व गोपालपुर हेतु बैग बनाने हेतु प्रशिक्षण दिये जा चुके है।
- **LEDP** परियोजना के तहत डरवाड़ में हल्दी पाउडर की परियोजना का शुभारंभ किया जा चुका हैं तथा मशीनरी स्थापित की जा चुकी हैं।
- **FPO** माहूनाग का कार्य शुरू किया जा चुका हैं।

स्त्री अभियानः–

- इस अभियान का शुभारंभ 18 नवम्बर,2018 को डा. साधना ठाकुर राज्य अध्यक्षा रैडक्रॉस सोसायटी (हि.प्र.) द्वारा पड्डल मंडी में किया गया । यह अभियान जिला प्रशासन मंडी द्वारा चलाया जा रहा हैं जिसमें आठ घटकों पर पंचायत स्तर पर महिला मंडलों के माध्यम से गतिविधियों का साप्ताहिक आधार पर आयोजन किये जा रहे हैं। इस अभियान को सुचारू रूप से चलाने हेतु दिनांक 29नवंबर,2018 को विपाशा सदन भ्यूली मंडी में महिला मंडलों के प्रधानों/ सचिवों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं,आशार्वकर व समिति के विकास दूतों की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 500 के करीब महिला मंडलों के 1350 के करीब प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्त्री अभियान के तहत सामाजिक सुरक्षा घटक में कार्य करने की जिम्मेवारी मंडी साक्षरता एवम जन विकास समिति को दी गई थी। समिति द्वारा पात्र लोगों के उपरोक्त बीमा योजना के फार्म भरवाये गये है जिसका विवरण निम्न प्रकार से हैः–

कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह 23 जनवरी,2019

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा 23 जनवरी,2019 को विपाशा सदन भ्यूली में कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयाजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक भारतीय जीवन बीमा, मुबई ने बतौर भाग लिया तथा समरोह की अध्यक्षता उपायुक्त मंडी ने की। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक द्वारा सुक्ष्म बीमा में बेहतर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान किये। समारोह में मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के कार्यकारिणी, साधारण सभा सदस्य, भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारियों सहित समिति के सहायक अभिकर्ताओं, ऐनीमेटरों ने भाग लिया।

8मार्च,2019 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा 8मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन समिति कार्यालय के सभागार में किया गया जिसमें समस्त खंडों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं के अधिकारों के प्रति कार्यकर्ताओं को जागरूक किया गया।

सुक्ष्म बीमा के तहत खंड बार पॉलिसियों का विवरण

क्र	खंड	31मार्च 2019 का लक्ष्य	कुल पॉलिसिंया 1अप्रैल से 31 मार्च 2019	प्रिमियम राशि	बीमा गांव 2018–19
1.	बल्ह	**5000**	**5137**	**895000.00**	**27**
2.	सदर	**5000**	**5072**	**946000.00**	**19**
3.	गोपालपुर	**3000**	**4331**	**851000.00**	**13**
4.	बालीचौकी	**2000**	**3545**	**891000.00**	**9**
5.	गोहर	**2000**	**2421**	**668000.00**	**12**
6.	करसोग	**2500**	**2387**	**791000.00**	**6**
7.	सराज	**2000**	**2204**	**1045000.00**	**8**
8.	सुंदरनगर	**2000**	**1419**	**307000.00**	**2**
9.	चौंतड़ा	**1500**	**1135**	**126000.00**	**2**
10.	धर्मपुर	**2000**	**939**	**495000.00**	**4**
11.	द्रंग	**1500**	**908**	**299000.00**	**7**
12.	निहरी	**1000**	**563**	**114000.00**	**0**
	कुल	**29500**	**30061**	**7428000.00**	**109**

संस्था के संसाधन का जरिया

क्र	परियोजना	लक्ष्य प्राप्ति	अवधि	राशि प्राप्त	संसाधन संस्था का नाम	परियोजना की स्थिति
1.	संपूर्ण साक्षरता अभियान	183000	1992-94	95.32lac.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार	पूर्ण
2.	उतर साक्षरता अभियान	82000	1995-97	72.33lac	–यथोपरि–	पूर्ण
3.	प्रजननस्वास्थ्य शिशु कार्यक्रम	20000	1998-2000	3.57lac	स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार	पूर्ण
4.	सतत शिक्षा कार्यक्रम	82000	1998-2005	3 crore	मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार	पूर्ण
5.	सर्वेक्षण अपंगों का		2001-02	2.96lac	जिला उद्योगकेन्द्र,मंडी	पूर्ण
6.	सर्वेक्षण कृषि विविधकरण परियोजना		2002-03	2.15lac	डीआरडीए,मंडी	पूर्ण
7.	पानी व स्चछता काय्रक्रम	10000	2002-03	15lac	सिंचाईविभाग,मंडी	पूर्ण
8.	प्राकृतिक जलस्रोतों का सरंक्षण	25000	2001-03	6.50lac	कपार्ट चंडीगढ़	पूर्ण
9.	स्वंय सहायता समूह गठन–लिंक	2000	2003-05	19-18lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
10.	संपूर्ण स्वच्छता अभियान/ स्वच्छ भारत अभियान	900000	2005-08	1.30crore	डीआरडीए	पूर्ण
11.	२०००स्वंय सहायता समूह हैंड होल्डिंग	20000	2006-07	10lac.	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
12.	२०००स्वंय सहायता समूह गठन	10000	2006-09	25 lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
13.	प्राकृतिक जलस्रोतों का सरंक्षण	10000	2006-08	13.47lac	कपार्ट चंडीगढ़	पूर्ण
14.	इक्को क्लब गठन	30000	2004-08	25000/-	विज्ञान–प्रौद्योगिकी	पूर्ण
15.	कैरियर काउसलिंग	15000	2006-07	2.lac	युवा एवम खेल मंत्रालय भारत सरकार	पूर्ण
16.	ग्रामीण विकास आंदोलन–पचायतों	20	2008	8.83lac	कपार्ट चंडीगढ़	पूर्ण
17.	गांव विकास कार्यक्रम–1	105 परिवार	2007-10	0.30lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
18.	गांव विकास कार्यक्रम–2	105 परिवार	2008-10	0.30lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
19.	गांव विकास कार्यक्रम–3	450 परिवार			नाबार्ड शिमला	पूर्ण
20.	१२००स्वंय सहायता समूह गठन	12000	2010-13	57 lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
21.	५००संयुक्त देयता समूह	2000	2011-14	10lac	नाबार्ड शिमला	बंद
22.	वित्तीय साक्षरता–२०० पंचायतें	200	2012-13	17 lac	नाबार्ड शिमला	पूर्ण
23.	सुक्ष्म बीमा–भारतीय जीवन बीमा निगम शिमला	40000	2009 to onward		एलआईसी शिमला	आरंभ
24.	२०० किसान क्लब	10000	2010		नाबार्ड शिमला	बंद
25.	१००० महिला स्वयं सहायता समूह परियोजना	473 ग्राम पंचायते	2013	50 lac	नाबार्ड शिमला	बंद
26.	डिजिटिलाईजेशन सम्बन्धी परियोजना	8 विकास खंड	2016-20	36 lac	नाबार्ड शिमला	आरंभ
27.	किसान उत्पादक संघ	करसोग	2019-20		नाबार्ड शिमला	आरंभ
28.	किसान उत्पादक संघ	धर्मपुर	2019-20		नाबार्ड शिमला	आरंभ